(CA INTERMEDIATE MOCK TEST MAY 2021)

DATE: 23.04.2021 MAXIMUM MARKS: 100 TIMING: 3¼ Hours

PAPER : AUDITING

DIVISION – A (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

ANSWERS (1-20) CARRY 1 MARK EACH

1. Ans. b
2. Ans. b
3. Ans. a
4. Ans. c
5. Ans. c
6. Ans. c
7. Ans. d
8. Ans. d
9. Ans. b
10. Ans. b
11. Ans. c
12. Ans. d
13. Ans. a
14. Ans. d
15. Ans. b
16. Ans. d
17. Ans. d
18. Ans. d
19. Ans. d
20. Ans. c

Mittal Commerce Classes

ANSWERS (21-25) CARRY 2 MARKS EACH

21. Ans. c
22. Ans. b
23. Ans. c
24. Ans. a
25. Ans. a

DIVISION B-DESCRIPTIVE QUESTIONS
QUESTION NO. 1 IS COMPULSORY
ATTEMPT ANY FOUR QUESTIONS FROM THE REST

Answer 1:

Examine with reasons (in short) whether the following statements are correct or incorrect : (Attempt any 7 out of 8)

(i) **गलतः–** ''स्वेट इक्विटी शेयर'' का अर्थ है कंपनी द्वारा कर्मचारियों या निदेशकों को छूट पर या विचार के लिए नकद के अलावा अन्य जानकारी के लिए जारी किए गए इक्विटी शेयर या बौद्धिक संपदा अधिकार या मूल्य परिवर्धन की प्रकृति में उपलब्ध अधिकार प्रदान करना, जो भी नाम से हो बुलाया।

(ii) **गलतः**– यदि कंपनी X की बैलेंस शीट '100 लाख की राशि के साथ भवन दिखाती है, तो ऑडिटर यह मान लेगा कि प्रबंधन ने दावा किया है कि उसका दावा किया गया है:

- Exists बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त इमारत अवधि–अंत (अस्तित्व का दावा) के अनुसार मौजूद है

- कंपनी X ऐसी इमारत (अधिकार और दायित्व दावे) का मालिक है और उसे नियंत्रित करता है
- भवन को माप सिद्धांतों (वैल्यूएशन दावे) के अनुसार सटीक रूप से महत्व दिया गया है

(iii) **गलतः–** कंपनी द्वारा प्रतिभूति प्रीमियम खाता लागू किया जा सकता हैः
(a) पूरी तरह से भुगतान किए गए बोनस शेयरों के रूप में कंपनी के सदस्यों को कंपनी के अप्रकाशित शेयरों के मुद्दे की औरः
(b) कंपनी के प्रारंभिक खर्चों को लिखित रूप में
(c) कंपनी के शेयरों या डिबेंचर के किसी भी मुद्दे पर ओफ के खर्च, या कमीशन का भुगतान या छूट की अनुमति दी गई है
(d) कंपनी के किसी भी रिडीजेबल वरीयता शेयरों या किसी भी डिबेंचर के मोचन पर देय प्रीमियम के लिए प्रदान करने में या
(e) धारा 68 के तहत अपने स्वयं के शेयरों या अन्य प्रतिभूतियों की खरीद के लिए।

(iv) **गलतः–** अंकेक्षक, अंकेक्षण रिपोर्ट में अपनी राय अधिकृत करेगा जबः
(a) लेखा परीक्षक यह निष्कर्ष निकालता हैं, कि लेखा परीक्षण के सबूतों की प्राप्ति के आधार पर वित्तीय विवरण पूरी तरह से भौतिक गलतियों से मुक्त नहीं है।

(v) **गलतः**
एसए 210 ''ऑडिट एंगेजमेंट्स की शर्तों से सहमत'' के अनुसार, ऑडिट अनुबंध पत्र ऑडिटर द्वारा अपने क्लाइंट को भेजा जाता है।

(vi) **गलतः**
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 के प्रावधानों के तहत, ऑडिटर को यह रिपोर्ट करना होता है कि कंपनी के पास वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं एवं इस तरह के नियंत्रणों के संचालन प्रभावशीलता। लेखा परीक्षक को आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और प्रभावशीलता पर ही रिपोर्ट करनी है, न कि आंतरिक नियंत्रणों पर।

(vii) **गलत :**
एक खाते को 'क्रम से बाहर' के रूप में माना जाना चाहिये, यदि बकाया शेष मंजूर सीमा/ड्राइंग पॉवर से अधिक लगातार रहता है। ऐसे मामलों में जहाँ मुख्य परिचालन खाते में बकाया राशि स्वीकृत सीमा/ड्रांइग पॉवर से कम है, लेकिन तुलन पत्र या क्रेडिट की तारीख से 90 दिनों के लिये लगातार कोई क्रेडिट नहीं है, इसी अवधि में विकलित ब्याज को कवर करने के लिये पर्याप्त नहीं है, इन खातों को 'क्रम से बाहर' के रूप में माना जाना चाहिये।

(viii) **गलत :**
जहाँ परीक्षण की जाने वाली जनसंख्या में बड़ी मात्रा में समान इकाईयाँ हों, वहाँ सांख्यिकीय नमूनों का अधिक उपयोग होता है, विशेषकर अनुपालन परीक्षण, व्यापारिक प्राप्तियों की पुष्टि, पेरोल चैकिंग, बिलों का सत्यापन, लघु नकद वाउचर्स।

{One Mark for Correct or Incorrect and 1 Mark for Explanation}

Mittal Commerce Classes

Answer 2:

(a) दावा इस प्रकार है :

(1) फर्म संयंत्र और मशीनरी का मालिक है,
(2) संयंत्र और मशीनरी की ऐतिहासिक लागत रुपये 2 लाख है, **{1 M}**

(3) संयंत्र और मशीनरी शारीरिक रूप से मौजूद है,
(4) सम्पत्ति का उत्पादक रूप से कम्पनी के कारोबार में उपयोग किया जा रहा है, **{1 M}**

(5) इस परिसम्पत्ति पर मूल्यह्रास का कुल प्रभार रुपये 83,000 है, जिस पर रुपये 13,000 वर्ष से संबंधित हैं, जिसमें से खाते तैयार किए जाते हैं, तथा **{1 M}**

(6) मूल्यह्रास की मात्रा को मान्यता प्राप्त आधार पर गणना की गई है और गणना सही है। **{1 M}**

Answer:

(b) अंकेक्षण कार्यक्रम के लाभ तथा हानि

एक अंकेक्षण कार्यक्रम के फायदे हैं:

(a) यह सहायक को सामान्यतः काम करने के निर्देशों के कुल और स्पष्ट सेट के साथ अंकेक्षण को पूरा करता है।

(b) विशेष रूप से प्रमुख अंकेक्षण के लिए यह आवश्यक है कि काम करने के लिए किए जाने वाले काम का एक पूरा दृष्टिकोण प्रदान करें।

(c) क्षमता के आधार पर नौकरियों के लिए सहायकों का चयन आसान हो जाता हैं, जब काम तर्कसंगत रूप से योजनाबद्ध, स्पष्ट और पृथक हों।

(d) एक लिखित और पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के बिना कुछ 'मानसिक' योजना के आधार पर काम जरूरी है ऐसी स्थिति में हमेशा कुछ पुस्तकों और रिकॉर्डो को अनदेखा करने या देखने का खतरा रहता है। एक अच्छी तरह से तैयार किए गए कार्यक्रम के तहत, खतरें सिरे से कम है और अंकेक्षण व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ सकती है।

(e) सहायकों, कार्यक्रम पर अपने हस्ताक्षर डालने के द्वारा, व्यक्तिगत रूप से उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करते है और यदि आवश्यक हों, तो काम करने का काम सहायक को वापस किया जा सकता है।

(f) प्रिंसिपल पूरा काम के लिये नौकरियों को नियुक्त सहायकों द्वारा शुरू की गई अंकेक्षण कार्यक्रमों की परीक्षा से हाथ में विभिन्न अंकेक्षण की प्रगति को नियंत्रित कर सकता है।

(g) यह आगामी वर्ष में किए जाने वाले अंकेक्षण के लिए एक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करता है।

(h) एक उचित रूप से तैयार अंकेक्षण लेखा परीक्षक के खिलाफ लापरवाही के किसी भी आरोप की स्थिति में साक्ष्य के रूप में कार्य करता है। यह स्थापित करने में काफी मूल्य हो सकता है कि उसने उचित कौशल और देखभाल का प्रयोग किया जो पेशेवर लेखा परीक्षक से अप्रेक्षित था।

{Any 8 Points Each 1/2 Mark}

Answer:

(c) यद्यपि लिखित अभ्यावेदन आवश्यक अंकेक्षण के साक्ष्य प्रदान करते हैं, वे किसी भी ऐसे मामलों के बारे में स्वयं प्रभावी एवं उपयुक्त अंकेक्षण प्रमाण प्रदान नहीं करते हैं जिसके साथ वे सौदा करते हैं। इसके अलावा, यह तथ्य कि प्रबंधन ने विश्वसनीय लिखित अभ्यावेदन प्रदान किए हैं, वह अन्य अंकेक्षण प्रमाणों की प्रकृति को प्रभावित नहीं करते जो अंकेक्षक प्रबंधन की जिम्मेदारियों को पूरा करने या विशिष्ट तर्को के बारे में प्राप्त करता है। **{2 M}**

दी गई समस्या के लिए उपरोक्त आवेदन के बाद, लेखा परीक्षक द्वारा कम्पनी द्वारा आयोजित वित्त पोषित जमाओं के समर्थन में बैंकर की प्रमाणिकता प्रदान करने के लिए अनुरोध करेंगे। **{1 M}**

Answer:

(d) मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय करने की इकाई की प्रक्रिया की समझ प्राप्त करें इकाई द्वारा बनाए गए निश्चित सम्पत्ति रजिस्टर प्राप्त करें हमेशा एक जोखिम होता है कि किसी संस्था को अपने लाभ को कम करने के लिए आय और व्यय वक्तव्य में अपने लाभ या व्यय पूँजी व्यय को सीधे बढ़ने के लिए राजस्व प्रकृति का खर्च पूँजी कर सकता है। इस जोखिम को दूर करने के लिए, लेखा परीक्षक निश्चित सम्पत्ति रजिस्टर से सम्पति की प्रकृति की जाँच कर सकते हैं और आगे, एक जोखिम हमेशा होता है कि नकली सम्पत्ति को पूस्तकों मे पूँजीकृत किया गया है और इस जोखिम को कम करने के लिए कम से कम लेखा परीक्षकों को शारीरिक रूप से अचल सम्पत्तियों की पुष्टि करनी चाहिए। **{1 M}**

अधिकृत व्यक्ति से उचित अनुमोदन के साथ सभी अतिरिक्त/विलोपन की सूची प्राप्त करें।

स्थायी परिसम्पति रजिस्टर से सम्पत्ति का नमूना चुनें, भौतिक विचारों पर और मूल्यह्रास, मूल्यह्रास की गणना की दर को सत्यापित करें।

- प्रबंधन द्वारा पहचाने गए सभी घटकों की सूची प्राप्त करे।
- इस अवधि के दौरान पेटेंट, साख प्रतिलिप्याधिकार, कॉपी अधिकारों जैसी अमूर्त सम्पतियाँ सुनिश्चित की जा रही है।
- सुनिश्चित करें कि मूल्य का उपयोग करने के लिए तैयार होने पर उस तिथि से सम्पत्ति पर मूल्यह्रास लगाया जाता है।

{Any 4 Points Each 1/2 Mark}

- आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार मूल्यह्रास की गणना कि कम्पनी अधिनियम के अनुसार अतिरिक्त जोड़ो और लेखा परीक्षा के लिए खोलने वाले डब्लूडीवी को लेखा परीक्षा के तहत पिछलें वर्ष के पूर्व मूल्यांकन वर्ष के लिए मिला है।
- मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय की समग्र तर्क संगतता के रूप में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएँ करें और अभिलेखों की अंकगणितीय संटीकता की जाँच करें और स्वतंत्र गणना उदाहरण–गणना करें या वर्ष के लिए मूल्यह्रास व्यय को फिर से गणना करें (उस प्रारूप का संदर्भ लें जिसका उपयोग नीचे के लिए किया जा सकता है वर्ष के लिए व्यय की उचितंता संकलन)।

Answer 3:

(a) लेखा परीक्षा की योजना में कार्य के लिए समग्र अंकेक्षण की रणनीति बनाने और अंकेक्षण योजना का विकास करना शामिल है। पर्याप्त योजनाओं में वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण को कई तरह से लाभान्वित किया गया है, जिसमें निम्नलिखित शामिल है– **{1 M}**

1. अंकेक्षण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उचित ध्यान देने के लिए अंकेक्षक की सहायता करना।
2. लेखा परीक्षक की सहायता से समय–समय पर संभावित समस्याओं को हल किया जा सकता है।
3. लेखा परीक्षक की मदद से अंकेक्षण कार्य को व्यवस्थित और प्रबंधित किया जा सके, ताकि वह कुशल तथा प्रभावी तरीके से किया जाये।
4. प्रत्याशित जोखिमों का उत्तर देने के लिए योग्यता स्तरों और क्षमता के साथ कार्यदल के सदस्यों के चयन में सहायता और उनके लिए उचित काम को सौंपना।
5. कार्य दल के सदस्यों की दिशा और पर्यवेक्षण की सुविधा और उनके काम की समीक्षा करना।
6. अवयवों के लेखा परीक्षकों और विशेषज्ञों द्वारा किए गए कार्यो के समन्वय में जहां उपयुक्त हो, सहायता करना।

{1/2 M Each point}

Answer:

(b) नियंत्रण पर्यावरण – आंतरिक नियंत्रण के घटक – अंकेक्षक, नियंत्रण पर्यावरण की समझ प्राप्त करेगा। इस समझ को प्राप्त करने के एक भाग के रूप में अंकेक्षक इसका मूल्यांकन करेगा कि क्या –

(i) प्रबंधन ने ईमानदारी और नैतिक व्यवहार की संस्कृति का सृजन किया है तथा बनाये रखा है, तथा
(ii) नियंत्रण वातावरण तत्वों की शक्ति, आंतरिक नियंत्रण के अन्य घटकों के लिये एक उपयुक्त आधार प्रदान करती है। **{1/2 M}**

नियंत्रण पर्यावरण में क्या शामिल है?

नियंत्रण पर्यावरण में शामिल है–

(i) प्रशासन तथा प्रबंधन कार्य, तथा
(ii) प्रशासन और प्रबंध के रवैये वाले लोगों के व्यवहार, जागरूकता और कार्य,
(iii) नियंत्रण पर्यावरण संस्था के एक स्वर को तय करता है, जो उसके लोगों की नियंत्रण चेतना को प्रभावित करता है। **{1/2 M}**

नियंत्रण पर्यावरण के तत्व – नियंत्रण पर्यावरण के तत्व जो कि नियंत्रण पर्यावरण की समझ प्राप्त करते समय प्रासंगिक हो सकते है, निम्न है–

(a) संचार और अंखडता और नैतिक मूल्यों के प्रवर्तन – ये आवश्यक तत्व है, जो नियंत्रण, रूपरेखा और नियंत्रण की निगरानी के प्रभाव को प्रभावित करते हैं।
(b) सक्षमता के प्रति प्रतिबद्धता – जैसे विशेष प्रबंधन के लिये क्षमता के स्तर पर प्रबंधन के विचार और उन स्तरों को आवश्यक कौशल और ज्ञान में अनुवाद करना।
(c) प्रशासन की जिम्मेदारी वाले लोगों की भागीदारी – उनसे जुड़े लागों के गुण, जैसे कि– **{2 M}**

- ❖ प्रबंधन से उनकी स्वतंत्रता,
- ❖ उनका अनुभव और कद,
- ❖ उनकी भागीदारी और उनकी जानकारी की सीमा और गतिविधियों की जाँच,
- ❖ उनके कार्यो की उचितता, जिसमें कठिन प्रश्न उठाये जाते हैं और प्रबंधन के साथ आगे बढ़ते हैं, और आंतरिक और बाहरी अंकेक्षणों के साथ उनकी बातचीत।

Mittal Commerce Classes

(d) प्रबंधन का दर्शन और संचालन शैली–प्रबंधन की विशेषताऐं जैसे–
- ❖ व्यावसायिक जोखिम लेने और प्रबंधन करने के लिये दृष्टिकोण,
- ❖ वित्तीय विवरणों की ओर रूख और कार्य,
- ❖ सूचना प्रसंस्करण और लेखा कार्य और कर्मियों के प्रति रूख।

(e) संगठनात्मक ढांचे – जिस ढांचे के भीतर एक संस्था की गतिविधियों को अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये योजनाबद्ध, निष्पादित, नियंत्रित और समीक्षा की गयी है। **{1 M}**

(f) प्राधिकरण और जिम्मेदारी का कार्य – जैसे संचालित गतिविधियों के लिये प्राधिकरण और जिम्मेदारी किस प्रकार की जाती है, और रिश्तों और प्राधिकरण पदानुक्रम की सूचना कैसे की जाती है।

(g) मानव संसाधन नीतियाँ और प्रथाएँ – उदाहरण के लिये भर्ती, अभिविन्यास, प्रशिक्षण, मूल्यांकन, परामर्श, पदोन्नति, क्षतिपूर्ति और उपचारात्मक कार्यो से संगठित नीतियाँ और प्रथाएँ।

Answer:

(c) संयुक्त लेखा परीक्षा – संयुक्त लेखा परीक्षकों के रूप में चार्टर्ड एकाउटेंट्स को नियुक्त करने की प्रथा बड़ी कंपनियों और निगमों में काफी व्यापक है। संयुक्त लेखा परीक्षा मूल रूप से एक निश्चित समयावधि में एक विशेषज्ञता कार्य करने के लिए एक अधिक फर्मो के लेखा परीक्षकों के संसाधनों एवं विशेषता को एक साथ एकत्र करने से अभिप्रेरित है, जो अकेले कार्य करने में कठिन हो सकता है। इस अनिवार्यता में कुल कार्य को साझा करना शामिल है। यह अपने आप में एक बड़ा लाभ है। **{1 M}**

विशिष्ट कार्यो में इसके निम्नलिखित लाभ हो सकते हैं :–

(i) विशेषता को साझा करना।
(ii) आपसी परामर्श का लाभ।
(iii) कम कार्यभार।
(iv) प्रदर्शन की बेहतर गुणवत्ता।
(v) ग्राहक को बेहतर सेवा।
(vi) अधिकार संभालने की घटना में अधिकार में ली गई कंपनी के लेखा परीक्षक के विस्थापन से प्रायः मुक्ति मिल जाती है। **{1/2 M Each Point}**
(vii) बहुराष्ट्रीय कंपनियों के संबंध में, इस कार्य को उन स्थानीय फर्मो की विशेषज्ञता का उपयोग कर प्रसारित किया जा सकता है जो विस्तृत कार्य तथा स्थानीय कानूनों एवं विनियमों से निपटने हेतु बेहतर स्थिति में होती है।
(viii) निम्न श्रेणी कर्मचारी विकास लागतें।
(ix) कार्य करने के लिए कम खर्च।
(x) बेहतर प्रदर्शन के प्रति स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना।

Mittal Commerce Classes

Answer 4:

(a) (1) **विज्ञापन व्ययः**

(i) विज्ञापन एजेंसी से बिलों/चालानों की पुष्टि करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न प्रकार के विज्ञापन के लिए शुल्क दरें अनुबंध के अनुसार हैं। **{1 M}**
(ii) देखें कि विज्ञापन ग्राहक के व्यवसाय से संबंधित है।
(iii) एजेंसी द्वारा जारी रसीद का निरीक्षण करें।
(iv) व्यय की प्रकृति का पता लगाएं – राजस्व या पूंजीगत व्यय और देखें कि यह ठीक से दर्ज किया गया है। **{1 M}**
(v) उस अवधि का पता लगाएं, जिसके लिए भुगतान किया गया है और देखें कि प्रीपेड राशि, यदि कोई हो, बैलेंस शीट पर ले जाए। **{1 M}**
(vi) देखें कि सभी बकाया विज्ञापन बिल प्रदान किए गए हैं।

(2) **स्क्रैप की बिक्रीः**

(i) आंतरिक नियंत्रण की समीक्षा करें जैसा कि सृजन, भंडारण और स्क्रैप के निपटान के संबंध में है।

(ii) जाँच करें कि संगठन स्क्रैप की पीढ़ी के लिए उचित रिकॉर्ड बनाए हुए है या नहीं।

(iii) स्क्रैप के कच्चे माल, उत्पादन और उत्पादन पैटर्न का विश्लेषण करें और इसकी तुलना पहले वर्ष के figures से करें।

(iv) उन दरों की जाँच करें जिस पर स्क्रैप बेचा गया है और पिछले वर्ष की तुलना में दर की तुलना करें।

(v) वाउच की बिक्री, चालान के साथ, निविदा के लिए विज्ञापन, स्क्रैप डीलरों के साथ दर अनुबंध।

(vi) सुनिश्चित करें कि स्क्रैप और अच्छी इकाइयों की पहचान करने के लिए एक उचित नियंत्रण प्रक्रिया मौजूद है और उन्हें मिश्रित नहीं किया जाता है और स्क्रैप के रूप में बेचा जाता है।

(vii) स्क्रैप से प्राप्ति के मूल्य का समग्र मूल्यांकन करें।

{Any 6 Points Each 1/2 Mark}

Answer:

(b) लेखा परीक्षक के उद्देश्य–स्पष्ट और उचित संशोधित राय व्यक्त करने के लिए

लेखांकन मानक 705 के अनुसार ''स्वतन्त्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में राय में संशोधन'' लेखा परीक्षक का उद्देश्य वित्तीय विवरणों पर, जो आवश्यक हैं, स्पष्ट और उचित संशोधित राय व्यक्त करना होता हैं, जब– **{2 M}**

(a) ऑडिटर यह निष्कर्ष निकालता हैं, कि प्राप्त लेखा परीक्षण साक्ष्यों के आधार पर वित्तीय विवरण पूरी तरह से भौतिक गलतियों से मुक्त है।

(b) लेखा परीक्षक यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त तथा उचित लेखा परीक्षण सबूत जुटाने में असमर्थ है, कि वित्तीय विवरण पूरी तरह भौतिक गलतियों से मुक्त है। **{2 M}**

Answer:

(c) जब सम्बन्धित आंकड़े प्रस्तुत होते हैं, तब केवल निम्नलिखित परिस्थितियों को छोड़कर लेखा परीक्षक की राय सम्बधित आँकड़ों के सन्दर्भ में नहीं होगी–

(1) यदि पूर्व की अवधि पर लेखा परीक्षा की रिपार्ट जैसी कि पहले निर्गमित की जा चुकी हैं, योग्य राय, विपरीत राय और राय के अस्वीकरण को सम्मिलित करती है और वह मामले जो अनसुलझे बदलावों को जन्म देते हैं, उन्हें भी सम्मिलित करती है। लेखा परीक्षक वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षक की राय को संशोधित करेगा, ऑडिटर की रिपोर्ट में संशोधित पैराग्राफ के आधार पर ऑडिटर होगा या तोः **{2 M}**

(a) वर्तमान अवधि के भौतिक आँकड़ो पर प्रभाव या संभावित प्रभाव के मामले में संशोधन को जन्म देने के मामले में वर्तमान अवधि के आँकड़े और सम्बन्धित आँकड़े दोनों सन्दर्भ में है।

(b) अन्य स्थितियों में, समझायें कि वर्तमान अवधि मे आँकड़ों और सम्बन्धित आँकड़ों की तुलनात्मक पर अनसुलझे मामलों के प्रभाव या संभावित प्रभाव के कारण लेखा परीक्षक की राय कों संशोधित किया गया है।

(2) यदि लेखा परीक्षक लेखा परीक्षक साक्ष्य प्राप्त करता हैं, कि पहले के वित्तीय विवरणों में एक भौतिक गलती मौजूद हैं, जिस पर एक अनाधिकृत राय पहले जारी की गई हैं, लेखा परीक्षक यह सत्यापित करेंगे, कि क्या गलत विवरण लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अन्तर्गत आवश्यकता अनुसार पेश किये गये हैं और यदि ऐसा नहीं हैं, तो लेखा परीक्षक वर्तमान अवधि के वित्तीय ववरणों (संशोधित) पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में योग्य या विपरीत राय व्यक्त करेगा। **{1 M}**

(3) पूर्व अवधि के वित्तीय विवरण जिनका अंकेक्षण नही हुआ– यदि पूर्व अवधि के वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण नहीं हुआ तो लेखा परीक्षक ऑडिटर की रिपोर्ट के पैराग्राफ के अन्य मामलों में बताऐंगे कि सम्बन्धित अवधि के आँकड़ों का लेखा परीक्षण नहीं हुआ है, इस तरह के विवरण हालांकि लेखा परीक्षक को पर्याप्त तथा उचित लेखा परीक्षण साक्ष्य प्राप्त करने की आवश्यकताओं के लिए राहत प्रदान नहीं करते। प्रारम्भिक शेष में वह गलत विवरण सम्मिलित नहीं होते, जो भौतिक रूप से वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों को प्रभावित करते है। **{1 M}**

Mittal Commerce Classes

Answer 5:

(a) अंकेक्षण साक्ष्य, निष्कर्षो जिन पर अंकेक्षण राय आधारित है, पर पहुँचने में अंकेक्षक द्वारा प्रयुक्त सभी जानकारी है। लिखित अभ्यावेदन आवश्यक जानकारी है, जो अंकेक्षक को संस्था के वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण के संबंध में आवश्यक है। तद्नुसार, पूछताछ के उत्तर के समान लिखित अभ्यावेदन अंकेक्षण सबूत है। **{1/2 M}**

वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिये जिम्मेदार लोगों से लिखित अभ्यावेदन का अनुरोध किया जाता है।

यद्यपि, लिखित अभ्यावेदन आवश्यक अंकेक्षण साक्ष्य प्रदान करते हैं, वे किसी भी मामलों, जिनमें वे व्य वहार करते हैं, पर अपने आप से पर्याप्त उचित साक्ष्य प्रदान नहीं करते हैं। इसके अलावा तथ्य कि प्रबंधन ने विश्वसनीय लिखित अभ्यावेदन प्राप्त किये हैं, उन अन्य अंकेक्षण प्रमाणों की प्रकृति को प्रभावित नहीं करते हैं, जो अंकेक्षक प्रबंधन की जिम्मेदारियों को पूरा करने या विशिष्ट दावों के बारे में प्राप्त करता है। **{1/2 M}**

लिखित अभ्यावेदन के संबंध में अंकेक्षक के उद्देश्य :–

अंकेक्षक के उद्देश्य है –

(a) **लिखित अभ्यावेदन प्राप्त करना**
प्रबंधन का भी माना है कि उसने वित्तीय विवरणों की तैयारी और अंकेक्षक को उपलब्ध करायी गयी जानकारी की पूर्णता के लिये अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली है। **{1 M}**

(b) **अन्य साक्ष्य के समर्थन हेतु**
लिखित अभ्यावेदन के माध्यम से वित्तीय विवरणों के लिये प्रासंगिक अन्य अंकेक्षण साक्ष्य या वित्तीय विवरणों में विशिष्ट दावों का समर्थन करना, तथा **{1 M}**

(c) **उचित रूप से प्रतिक्रिया करने हेतु**
प्रबंधन द्वारा प्रदान किये गये लिखित अभ्यावेदनों के लिये अथवा प्रबंधन, अंकेक्षक द्वारा निवेदित लिखित अभ्यावेदन उचित रूप से प्रतिक्रिया करने हेतु उपलब्ध नहीं कराता है। **{1 M}**

Mittal Commerce Classes

Answer:

(b) संस्था की लेखांकन प्रथाओं के गुणात्मक पहलुओं पर विचार करने के लिये अंकेक्षक, प्रबंधन के फैसले में संभावित आधार पर जागरूक हो सकता है। अंकेक्षक निष्कर्ष निकाल सकता है, कि तटस्थता की कमी के साथ–साथ विवरणों की गलत परिभाषाओं के कारण वित्तीय विवरण महतत्वपूर्ण रूप से गलत हो सकते हैं। तटस्थता की कमी के संकेतों में निम्न सम्मिलित है– **{2 M}**

(i) अंकेक्षण के दौरान प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करने वाले मिथ्या कथनों का चयनात्मक सुधार।
उदाहरण – **{2 M}**
- रिपोर्ट की गयी आय में बढ़ोतरी के लिये प्रभाव को ठीक करना, परंतु आय कम करने वाले मिथ्या कथनों के प्रभाव को ठीक न करना।
- कई कमियों का संयोजन, जो एक खाते या प्रकटीकरण को प्रभावित करता है (अथवा समान आंतरिक नियंत्रण घटक) एक महत्वपूर्ण कमी के कारण हो सकता है (या महत्वपूर्ण कमजोरी, यदि सीमा क्षेत्र में संचारित किया जाना आवश्यक हो)। इस मूल्यांकन में अंकेक्षण अधिकारियों के निर्णय तथा भागीदारी की आवश्यकता है। **{2 M}**

(ii) लेखांकन अनुमान लगाने के लिये संभावित प्रबंधन पूर्वाग्रह।

Answer:

(c) C&AG के कर्तव्य – महालेखा परीक्षक तथा नियंत्रक के (कर्तव्य अधिकार तथा सेवा शर्ते) अधिनियम, 1971 C&AG में कर्तव्यों को निम्न रूप से बताता है–

(i) केन्द्र तथा राज्य के खातों का संकलन तथा प्रस्तुति – C&AG ऐसे खातों को रखने के लिए उत्तरदायी खजानों, कार्यालयों और विभागों द्वारा उसके नियंत्रण के अधीन अंकेक्षण तथा लेखा कार्यालयों को प्रेषित प्रारंभिक और सहायक खातों से केन्द्रीय तथा प्रत्येक राज्य सरकार के खातों का आंकलन करने के लिए उत्तरदायी है। **{1 M}**

(ii) अंकेक्षण से संबंधित सामान्य प्रावधान – C&AG का यह कर्तव्य होगा।
(a) भारत की सचित निधि एवं प्रत्येक राज्य तथा संघ शासित प्रदेश, जिसमें कि विधानसभा होती है के सभी व्ययों का अंकेक्षण एवं तत्संबंधित रिपोर्ट देना है और यह सुनिश्चित करना कि

लेखों में दर्शायी गयी मौद्रिक राशि विधानतः उपलब्ध थी और यह सुनिश्चित करना कि जिन अधिकरणों द्वारा वे शामिल होते हैं, वे इसकी सुनिश्चितता की पुष्टि करते हैं।

(b) संघ एवं राज्यों से संबंधित आकस्मिक निधि एवं सार्वजनिक खातों के संबंध में सभी लेन–देन का अंकेक्षण एवं तत्संबंधित रिपोर्ट।

(c) संघ अथवा किसी राज्य के सभी व्यापारिक, निर्माणी लाभ–हानि खाता तथा स्थिति विवरण एवं अन्य सहायक खाते जिन्हें रखा जाता है, का अंकेक्षण एवं तत्सम्बन्धी रिपोर्ट। **{1 M}**

(iii) प्राप्तियों और व्ययों का अंकेक्षण – जहॉ कोई संस्था या अधिकरण, जिसे भारत में सचित कोष या किसी राज्य या शासित प्रदेश, जिसमें कि विधानसभा होती है, से अनुदान या ऋण मिलता है, तो महालेखा परीक्षक और नियंत्रक को संबंधित प्रावधानों जो कि उस संस्था या अधिकरण पर उस समय लागू होते हैं जैसी भी स्थिति हो की साक्ष्य जांच करना चाहिए, महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक उस संस्था की प्राप्तियों एवं सेवाओं का अंकेक्षण करेगा एवं तत्संबंधी रिपोर्ट देगा।

(iv) अनुदानों या ऋणों का अंकेक्षण – जहाँ भारत के संचित कोष या किसी राज्य या किसी संघ शासित प्रदेश, जिसमें विधानसभा होती है, से किसी संस्था या अधिकरण, जो विदेशी राज्य या अंतर्राष्ट्रीय संगठन नहीं हो, को कोई अनुदान या ऋण किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए दिए जाते हैं, तो महालेखा परीक्षक एवं नियंत्रक ने उस प्रविधि की सूक्ष्म जांच करना चाहिए, जिससे अनुदान या ऋण स्वीकृत करने बाकी संस्था के द्वारा निर्धारित दशाओं के पालन की जानकारी हो सके तथा इस उद्देश्य के लिए उस अधिकृत अथवा निकाय को उचित पूर्व नोटिस देकर उन पुस्तकों तथा खातों तक पहुंच का अधिकार लेना चाहिए। **{1 M}**

(v) संघ या राज्यों की प्रप्तियों का अंकेक्षण – महालेखा परीक्षक और नियंत्रक का यह कर्तव्य है कि वह भारत की संचित निधि या प्रत्येक राजकीय और विधान सभाओं वाले केन्द्र शासित प्रदेशों की संचित निधि में दी जाने वाली प्राप्तियों का अंकेक्षण करें और इस तथ्य के प्रति संतुष्ट हो जायें कि इन नियमों और प्रविधियों को, जिन्हें अनुमान संग्रहण और आयों के उचित आवंटन के लिए बनाया गया है, को ध्यान में रखा गया है और इस उद्देश्य के लिए खातों के ऐसे परीक्षण को जिसे वह उचित समझे, उसकी जांच करना चाहिए, और उस पर अपनी रिपोर्ट भी देना चाहिए।

(vi) स्टोर्स और स्टॉक खातों का अंकेक्षण – महालेखा परीक्षक तथा नियंत्रक को यह अधिकार होगा कि वह संघ या राज्यों के विभागों में या किसी कार्यालय में रखे स्टोर्स और स्टॉक के खातों का अंकेक्षण करें और उस पर अपनी रिपोर्ट दें।

(vii) सरकारी कंपनियों और निगमों का अंकेक्षण – सरकारी कंपनियों के खातो के अंकेक्षण के संबंध में महालेखा परीक्षक और नियंत्रक के कर्तव्य और शक्तियाँ कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार प्रदर्शित तथा उपयोग किए जायेगें। भारत के महालेखा परीक्षक व नियंत्रक के द्वारा धारा–139 की उपधारा (5) या उपधारा (7) के अंतर्गत एक अंकेक्षक की नियुक्ति (यानि प्रथम लेखा परीक्षक या बाद के लेखा परीक्षक की नियुक्ति) की जावेगी तथा उस अंकेक्षक को इस प्रकार निर्देशित किया जायेगा, जिसमें सरकारी कंपनी के खातों का अंकेक्षण हो तथा इसके बाद अंकेक्षक को अंकेक्षण रिपोर्ट की एक प्रति भारत के महालेखा परीक्षक व नियंत्रण को जमा कराना होगा जिसमें अन्य बातों के साथ ही यदि भारत के महालेखा परीक्षक व नियंत्रक द्वारा यदि कोई निर्देश दिए गए हो तो उन्हें तथा उन पर की गई कार्यवाही तथा कंपनी के खातों तथा वित्तीय विवरणों पर उनके प्रभाव को भी बताना होगा। **{1 M}**

Answer 6:

(a) यथार्थपूर्वक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया : यथार्थपूर्वक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया आमतौर पर सौदों के बडे परिमाप पर लागू होते है जो अधिक समय तक अनुमानयोग्य होते है। योजनाबद्ध विश्लेषणात्मक प्रक्रिया का उपयोग इस अपेक्षा पर आधारित है कि डाटा के मध्य सम्बन्ध विद्यमान है तथा विपरीत ज्ञात स्थिति के अभाव में जारी रहता है। यद्यपि, एक विशेष विश्लेषणात्मक प्रक्रिया की उपयुक्तता अंकेक्षक की मिथ्या विवरण को खोजने में समीक्षा कितनी प्रभावी है, पर निर्भर होगी जो व्यक्तिगत रूप से अथवा जब अन्य मिथ्या विवरण के साथ योग किया जाता वित्तीय विवरण को सारवान रूप से मिथ्या वर्णित कर सकता है। **{2 M}**

कुछ मामलों में एक गैर आधुनिक अनुमान सूचक मॉडल एक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया के रूप में प्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए, जहां पर एक इकाई की अवधि भर में वेतन की निश्चित दर पर कर्मचारियों

Mittal Commerce Classes

की ज्ञात संख्या है, अंकेक्षक के लिए शुद्धता की उच्च डिग्री के साथ अवधि के लिए कुल पे रोल लागत का अनुमान लगाने में इस डाटा का उपयोग करना अंकेक्षक के लिए संभव हो सकता है जो वित्तीय विवरण में महत्वपूर्ण मद के लिए अंकेक्षण साक्ष्य को प्रदान करना तथा पे रोल पर विवरण के परीक्षण की आवश्यकता को कम करना है। वृहत रूप से मान्यता व्यापार अनुपात (जैसे खुदरा इकाइयों के विभिन्न प्रकार का लाभ मार्जिन) को लेखांकित राशि की उचितता के समर्थन में साक्ष्य को प्रदान करने के लिए यथार्थवादी विश्लेषणात्मक प्रक्रिया में प्रभावी रूप से प्रयुक्त किया जा सकता है। **{1 M}**

Answer:

(b) अंकेक्षण की प्रमुख उपयोगिता विश्वसनीय वित्तीय विवरण में है जिसके आधार पर कार्य स्थिति को समझना सरल है। स्पष्ट उपयोगिता के अतिरिक्त, अंकेक्षण के अन्य लाभ है। इनमें से उन पर उधम तथा संस्था जहां पर अंकेक्षण अनिवार्य नहीं है कुछ अथवा सभी काफी मूल्य के है, इनमें से कुछ लाभ को नीचे दिया है :

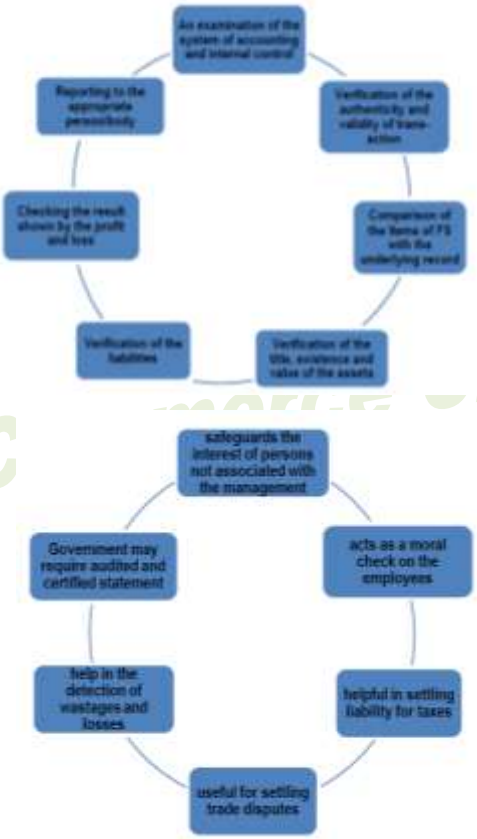

(a) यह इकाई के प्रबंधन के साथ जुडे व्यक्ति का वित्तीय हित का संरक्षण करता है चाहे वे साझेदार है अथवा अंशधारक, बैंकर्स, वित्तीय संस्थान, जनता इत्यादि है।

(b) यह गबन करने के लिए कर्मचारियों पर नैतिक जांच के रूप में कार्यवाही करता है।

(c) लेखा का अंकेक्षित विवरण कर की दायित्व का निपटारा ऋण की सौदेबाजी तथा एक व्यापार के लिए क्रय प्रतिफल के निर्धारण के लिए सहायक है।

(d) यह सम्पत्ति की अग्नि अथवा अन्य आपदा के द्वारा कोई क्षति के सम्बन्ध में तथा उच्च मजदूरी अथवा बोनस के लिए व्यापार विवाद का निपटारा में भी उपयोगी है।

(e) एक अंकेक्षण विभिन्न तरीके जिनसे इनकी जांच की विशेष रूप से वह जो आंतरिक नियंत्रण माप अथवा आंतरिक जांच का अभाव अथवा अपर्याप्तता के कारण को दिखाने के लिए विनिष्ट तथा हानि की खोज में सहायता कर सकता है। **{Any 8 points each 1/2 Mark}**

(f) अंकेक्षण ज्ञात करता है क्या लेखा की आवश्यक पुस्तक तथा सहायक रिकार्ड को सही ढंग से रखा है तथा ग्राहक को इस सम्बन्ध में त्रुटियां अथवा अपर्याप्तता को पूरा करने में सहायता करता है।

(g) एक समीक्षा कार्य के रूप में अंकेक्षण संस्था में विभिन्न नियंत्रण की विद्यमानता तथा परिचालन की समीक्षा करता है तथा उनमें कमजोरी, अपर्याप्तता इत्यादि का प्रतिवेदन करता है।

(h) अंकेक्षित खाता साझेदार का प्रवेश अथवा मृत्यु के समय खाता का निपटारा में बहुत सहायक है।

(i) सरकार एक विशेष व्यापार के लिए सहायता अथवा लाइसेंस को जारी करने से पूर्व अंकेक्षित तथा प्रमाणित विवरण की मांग कर सकती है।

Answer:

(c) अंकेक्षक से अंकेक्षण जोखिम को शून्य तक करने की अपेक्षा नहीं की जाती तथा ना ही की जा सकती है तथा इसलिए वित्तीय विवरण से पूर्ण आश्वासन प्राप्त नहीं कर सकता कि वित्तीय विवरण धोखाधडी अथवा त्रुटि के कारण सरवान मिथ्या विवरण से मुक्त विवरण से मुक्त है। ऐसा है कि क्योंकि अंकेक्षण की अंतर्निहित सीमायें हैं। यह एक अंकेक्षण की अर्न्तनिहित परिसीमा के कारण है :

(i) **वित्तीय रिपोर्टिंग की प्रकृति** : वित्तीय विवरण की तैयारी में इकाई की तथ्यों तथा परिस्थितियों का इकाई की लागू वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क की आवश्यकता को लागू करने में प्रबन्धन द्वारा निर्णयन लिप्त है। इसके अतिरिक्त, कई वित्तीय विवरण मदों में विषयपरक निर्णय अथवा समीक्षा अथवा अनिश्चितता की डिग्री लिप्त है तथा स्वीकार्य व्याख्या अथवा निर्णयन की श्रृंखला हो सकती है जिसे किया जा सकता है।

(ii) **अंकेक्षण प्रक्रियाओं की प्रकृति** : अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने की अंकेक्षक की योग्यता पर व्यवहारिक तथा कानूनी सीमा है। उदाहरण के लिए :

1. यह संभावना है कि प्रबंधन अथवा अन्य जानबूझकर अथवा अनजाने में पूर्ण सूचना को प्रदान ना करे जो वित्तीय विवरण की तैयारी तथा प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है अथवा जिसका अनुरोध अंकेक्षक द्वारा किया है।
2. धोखाधडी में उसे छुपाने के लिए अनुरोध अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक डिजाइन योजना लिप्त है। इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य को इकट्ठा करने के लिए प्रयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया एक जानबूझकर मिथ्या विवरण की खोज के लिए अप्रभावी हो सकती है, उदाहरण के लिए प्रपत्रीकरण को असत्य करने के लिए सांठगांठ हो सकती है जो अंकेक्षण को यह विश्वास दिला सकती है कि अंकेक्षण साक्ष्य वैध है जबकि यह है नहीं। अंकेक्षक ना ही प्रशिक्षित ना ही प्रपत्र के प्रमाणीकरण में दक्ष है।
3. एक अंकेक्षण आरोपित गलत करने में एक अधिकारिक अन्वेषण नहीं है, तदानुसार, अंकेक्षक को विशिष्ट कानूनी अधिकार नहीं दिया गया है जैसे खोज का अधिकार जो कि एक अन्वेषण के लिए आवश्यक हो सकता है।

(iii) वित्तीय रिपोर्टिंग की समयबद्धता तथा लाभ तथा लागत के मध्य संतुलन : कठिनाई, समय अथवा लिप्त लागत का मामला स्वयं में अंकेक्षक के लिए अंकेक्षण प्रक्रिया को छोडने का वैध आधार नहीं है जहां पर कोई विकल्प नहीं है।

उपयुक्त योजना अंकेक्षण का परिचालन के लिए उपलब्ध पर्याप्त समय तथा संसाधन को बनाने में सहायता करते है। इसके बावजूद, सूचना की प्रासंगिकता, तथा इसका मूल्य समय के साथ कम होता है तथा सूचना की विश्वसनीयता तथा इसकी लागत के मध्य संतुलन नहीं है।

(iv) अन्य मामले जो एक अंकेक्षण की सीमा को प्रभावित करते है : कुछ विषय वस्तुओं के मामले में, सारवान मिथ्या विवरण को खोजने की अंकेक्षक की परिसीमा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इस प्रकार का अभिकथन अथवा विषय वस्तु में सम्मिलित है;

- धोखाधडी विशेष रूप से वरिष्ठ प्रबंधन का शामिल होना अथवा सांठगांठ
- संबन्धित पक्ष संबंध तथा सौदे की विद्यमानता तथा पूर्णता
- कानून तथा अधिनियमों का गैर अनुपालन का घटित होना
- भावी घटना अथवा स्थिति जो एक इकाई को चलायमान संस्था को जारी नहीं रखती।

{Each Point 1 Mark}

Mittal Commerce Classes

Answer:

(d) एक अंकेक्षण की योजना में एक अंकेक्षण योजना को विकसित करने तथा लिप्तता के लिए सम्पूर्ण अंकेक्षण वयूहरचना को स्थापित करता है

पर्याप्त योजना निम्न सहित कई तरीके में वित्तीय विवरण का अंकेक्षण को लाभ पहुंचाता है :

1. अंकेक्षक को अंकेक्षण का महत्वपूर्ण क्षेत्र का अपयुक्त ध्यान देने में सहायता करते है।
2. अंकेक्षक समयबद्ध आधार पर भावी समस्या की पहचान तथा सुलझाने में सहायता करता है।
3. अंकेक्षक को अंकेक्षण लिप्तता को सही ढंग से व्यवस्थित करने में सहायता करता है ताकि इसे प्रभावी तथा कुशल तरीके में निष्पादित किया जा सके।
4. प्रत्याशित जोखिम के प्रत्युत्तर में सक्षमता तथा सक्षमता का उपयुक्त स्तर के साथ लिप्तता दल सदस्यों का चयन में सहायता करना।
5. लिप्तता दल सदस्यों का निर्देश तथा पर्यवेक्षण का सुलभ करना तथा अपने कार्य की समीक्षा।
6. जहां उपयुक्त हो, अवयवों तथा विशेषज्ञों की अंकेक्षक द्वारा किये गये कार्य के समन्वय में सहायता करना।

{Each Point 1/2 Mark}

__**__

Mittal Commerce Classes